Title: Alleged incidents of attack on the employees of Press Trust of India.

श्री जार्ज फर्नान्डीज़ : अध्यक्ष महोद्य, यह प्रैस ट्रस्ट आफ इंड्रिया से जुड़ा हुआ मामला है। देश का संविधान संगठन बनाने की इजाजत देता है। यहां बने हुए संगठनों को तोड़ने के लिए किस प्रकार से कार्रवाई की जा रही है, मैं वह बताना चाहता हूं। प्रैस ट्रस्ट ऑफ इंड्रिया के चीफ अधिकारी ने जब उनके सामने लोगों ने अपनी समस्याओं को रखा, तो उन्हें हटाकर, उनकी जिन्दगी को बर्बाद करने के काम में वे लगे हुए हैं। पी.टी.आई. में पिछले 10 सालों से काम करने वाले 700 लोगों को हटा दिया गया और एक प्रकार से तानाशाही का रवैया अपनाया जा रहा है। ऐसी तानाशाही मैंने इमर्जेंसी के दिनों में भी नहीं देखी थी। वर्तमान समाचार पत्रों पर कुछ काबू रखने का प्रयास जरूर हुआ, लेकिन अब जो पी.टी.आई. में हो रहा है, वैसा मैंने देश में कहीं भी नहीं देखा।

इस पर देश के हर मजदूर संगठन ने, सेंट्रल आर्गनाइजेशंस ने, कोई भी, किसी भी विचारधारा से जुड़े हों, कोई भी नेतृत्व कर रहा हो, इन सब लोगों ने आज तक हस्तक्षेप करने का काम किया, लेकिन इसका चीफ एग्ज़ीक्यूटिव आफिसर इतना बड़ा तानाशाह बन गया है कि वह किसी की बात नहीं मानता है। मैं आज इसलिए इस बात को कह रहा हूं, क्योंकि वहां लोग अनेक कारणों से खुदकुशी करके मरे हैं। कई लोगों के घर एवं परिवार खत्म हो गए हैं। ऐसी स्थिति में मैं चाहता हूं कि श्रम मंत्रालय को कहा जाए कि वह इस पर अपनी नज़र रखे और जहां इंसाफ मिलना चाहिए, वहां इंसाफ देने के काम में वह अपना हाथ बढ़ाए। धन्यवाद।

MR. SPEAKER: Certainly, it is an important matter.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Shishupal N. Patle, when I called your name, you were absent.

श्री शिशुपाल एन. पाटले (भण्डारा) : अध्यक्ष महोद्य, जब आपने मेरा नाम लिया था, मैं पानी पीने गया हुआ था।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोद्य : आप जब नोटिस देते हैं तो आपको पानी पीने में थोड़ी देरी करनी चाहिए। यह मौका ज्यादा नहीं मिलता है और जब मिलता है तो उसका उप्योग कीजिए। आपका मुद्दा अच्छा है, आप बोलिए।